University in News on 23 April 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

पीजी करवाने वाले कॉलेजों को ही चार वर्षीय यूजी की मंजूरी

लविवि : नई शिक्षा नीति के तहत पहली बार शुरू हो रहा है चार वर्षीय पाठ्यक्रम

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी कॉलेज चार वर्षीय स्नातक (यूजी) कोर्स का संचालन नहीं कर सकेंगे। सिर्फ उन्हीं कॉलेजों में यह पाठ्यक्रम लागू होगा जहां समान विषय में स्नातक व परास्नातक (परास्नातक) की पढ़ाई होती है। इस संबंध में लविवि ने संबद्ध कॉलेजों को निर्देश भेज दिया है। लविवि से संबद्ध कॉलेज हरदोई, लखीमपुर, लखनऊ और रायबरेली जिलों में हैं।

लविवि में नई शिक्षा नीति लागू है। इसमें शोध को बढ़ावा देने के लिए स्नातक को चार वर्ष के पाठ्यक्रम के तौर पर मंजूरी दी गई है। इसके तहत तीन साल की पढ़ाई में छात्र-छात्राएं सिर्फ स्नातक की डिग्री ले सकेंगे और चौथा वर्ष पूरा करने पर उन्हें स्नातक विद रिसर्च की डिग्री मिलेगी।

चार साल का स्नातक करने वाले विद्यार्थी को पढ़ाई के पहले तीन वर्षों के दौरान 75% (7.5 सीजीपीए) अंक लाने होंगे। तभी वे चौथे साल में प्रवेश के लिए पात्र होंगे। इससे कम अंक होने पर विद्यार्थी को प्रवेश नहीं मिलेगा। ऐसे में वे साधारण स्नातक की डिग्री हासिल करने के साथ ही दो वर्ष के पीजी में प्रवेश ले सकेंगे।

75% अंक अनिवार्य

सीधे पीएचडी में प्रवेश : चार वर्षीय स्नातक करने से विद्यार्थी को कई फायदे मिलेंगे। वे सीधे पीएचडी में सीधे प्रवेश लेने के पात्र होंगे। वे स्वेच्छा से एक वर्ष के पीजी कोर्स में भी प्रवेश ले सकेंगे। उनके पास परास्नातक (पीजी) करने और न करने भी विकल्प होगा।

> चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए सिर्फ वही कॉलेज अधिकृत होंगे, जिनके यहां स्नातक व परास्नातक दोनों एक ही विषय में संचालित हो रहे होंगे। इसके लिए सभी कॉलेजों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। - डॉ. विनोद कुमार सिंह, रजिस्ट्रार लविवि

डीन अकादमिक प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि नए शैक्षणिक सत्र से लविवि में चार वर्षीय स्नातक की पढ़ाई शुरू होगी। इसका पाठ्यक्रम तैयार कर लिया गया है। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश को लेकर विद्यार्थियों में भ्रम है। कई ऐसे कॉलेज हैं जहां स्नातक और परास्नातक दोनों एक विषय में नहीं है, लेकिन विद्यार्थी चार वर्षीय स्नातक में प्रवेश लेना चाहते हैं।

i-NEXT PAGE 4

अभ्युदय केंद्रों पर क्लास का टेलीकास्ट

एलयू के ओएनजीसी सेंटर, एपी सेन और महाराजा बिजली पासी कालेज में डिजिटल बोर्ड

LUCKNOW (22 APRIL): अब लखनऊ विश्वविद्यालय से मुख्यमंत्री अभ्युदय केंद्रों पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कक्षाओं का सजीव प्रसारण भी किया जाएगा. इन कक्षाओं के संचालन के लिए मुख्य केंद्र एलयू के ओएनजीसी भवन के तीसरे तल पर बनाया गया है. यहां डिजिटल बोर्ड स्थापित कर दिया गया है. यहां से दूसरे अभ्युदय केंद्रों पर स्थापित डिजिटल बोर्ड को लिंक किया जाएगा. इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है.

पायलेट प्रोजेक्ट पर काम

दरअसल, अभी तक नेशनल पीजी कालेज में पायलेट प्रोजेक्ट के तहत आनलाइन कक्षाओं की सुविधा उपलब्ध है. अब जुलाई से कई केंद्रों पर अभ्यर्थियों को इसकी सुविधा मिलनी शुरू हो जाएगी. अभ्युदय योजना के प्रभारी आरबी सिंह ने बताया कि सजीव कक्षाओं के संचालन के लिए एपी सेन मेमोरियल गर्ल्स, कालीचरण पीजी कालेज, महाराजा बिजली पासी राजकीय कालेज और राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास बीकेटी में डिजिटल बोर्ड लगाकर इसे मुख्य केंद्र से आनलाइन माध्यम से लिंक कर दिया जाएगा.

कुछ जगह बोर्ड लग गए

कुछ केंद्रों पर बोर्ड स्थापित भी हो गए हैं. उन्होंने बताया कि हाइब्रिड मोड से संचालित कक्षाओं में जिला स्तरीय समिति के माध्यम से वरिष्ठ उच्च कोटि के इम्पैनल्ड वार्ताकार से कक्षाएं संचालित की जाएंगी. आनलाइन पंजीकृत अभ्यर्थियों को यू-ट्यूब के माध्यम से भी इसकी सुविधा मिलना जारी रहेगा.

जुलाई से मिलेगी सुविधा

उच्च कोटि के चयनित वार्ताकार नवीन सत्र जुलाई से कक्षाएं शुरू करेंगे, जिसका सजीव प्रसारण एलयू के माध्यम से दूसरे अभ्युदय केंद्रों पर किया जाएगा. जिला समाज कल्याण अधिकारी सुनीता सिंह ने बताया कि नए सत्र में अभ्युदय कोचिंग कक्षाओं में अभ्यर्थियों के प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन जल्द ही जिला स्तरीय समिति के माध्यम से प्रक्रिया पूरी कराकर शुरू की जाएगी. इस बार 225 अभ्यर्थी आगामी सिविल सेवा परीक्षा में शामिल होंगे. एलयू अभ्युदय केंद्र पर इन्हें विशेष रूप से टेस्ट सीरीज एवं स्टडीज मटीरियल उपलब्ध कराया जा रहा है.

JAGRAN CITY PAGE III

लवि से अभ्युदय केंद्रों पर होगा कक्षाओं का सजीव प्रसारण

• कालीचरण पीजी कालेज, राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास बीकेटी में भी भेजा गया बोर्ड

महाराजा बिजली पासी कालेज में लगा बोर्ड • विभाग

जासं • लखनऊ : अब लखनऊ विश्वविद्यालय से मुख्यमंत्री अभ्युदय केंद्रों पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कक्षाओं का सजीव प्रसारण भी किया जाएगा। इन कक्षाओं के संचालन के लिए मुख्य केंद्र लवि के ओएनजीसी भवन के तीसरे तल पर बनाया गया है। यहां डिजिटल बोर्ड स्थापित कर दिया गया है। यहां से दूसरे अभ्युदय केंद्रों पर स्थापित डिजिटल बोर्ड को लिंक किया जाएगा। प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

दरअसल, अभी तक नेशनल पीजी कालेज में पायलेट प्रोजेक्ट के तहत आनलाइन कक्षाओं की सुविधा उपलब्ध है। अब जुलाई से कई केंद्रों पर अभ्यर्थियों को इसकी सुविधा मिलनी शुरू हो जाएगी। अभ्युदय योजना के प्रभारी आरबी सिंह ने बताया कि सजीव कक्षाओं के संचालन के लिए एपी सेन मेमोरियल गर्ल्स, कालीचरण पीजी कालेज, महाराजा बिजली पासी राजकीय कालेज और राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास बीकेटी में डिजिटल बोर्ड लगाकर इसे मुख्य केंद्र से आनलाइन माध्यम से लिंक कर दिया जाएगा। कुछ केंद्रों पर बोर्ड स्थापित भी हो गए हैं। उन्होंने बताया कि हाइब्रिड मोड से संचालित कक्षाओं में जिला स्तरीय समिति के माध्यम से वरिष्ठ उच्च कोटि के इम्पैनल्ड वार्ताकार से कक्षाएं संचालित की जाएंगी। आनलाइन पंजीकृत अभ्यर्थियों को यू-ट्यूब के माध्यम से भी इसकी सुविधा मिलना जारी रहेगा।

जुलाई से मिलेगी सुविधा : उच्च कोटि के चयनित वार्ताकार नवीन सत्र जुलाई से कक्षाएं शुरू करेंगे, जिसका सजीव प्रसारण लवि के माध्यम से दूसरे अभ्युदय केंद्रों पर किया जाएगा। जिला समाज कल्याण अधिकारी सुनीता सिंह ने बताया कि नए सत्र में अभ्युदय कोचिंग कक्षाओं में अभ्यर्थियों के प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन जल्द ही जिला स्तरीय समिति के माध्यम से प्रक्रिया पूरी कराकर शुरू की जाएगी। इस बार 225 अभ्यर्थी आगामी सिविल सेवा परीक्षा में शामिल होंगे। लवि अभ्युदय केंद्र पर इन्हें विशेष रूप से टेस्ट सीरीज एवं स्टडीज मटीरियल उपलब्ध कराया जा रहा है।

कई पाठ्यक्रमों की सम सेमेस्टर परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी

• एमबीए फाइनेंस एंड अकाउंटिंग की परीक्षाएं एक से

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक सम सेमेस्टर के विभिन्न पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं का कार्यक्रम सोमवार को वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ पर जारी कर दिया। एम.बी.ए फाइनेंस एंड अकाउंटिंग दूसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं एक से 18 मई, चौथे सेमेस्टर की दो से 17 मई तक होंगी। एम.बी.ए दूसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं आठ से 22 मई, चौथे सेमेस्टर की छह से 24 मई तक होंगी।

बी.ए.जे.एम.सी चौथे सेमेस्टर (एनईपी) की परीक्षाएं पांच मई से पांच जून, दूसरे सेमेस्टर (एनईपी) की छह मई से तीन जून और छठे सेमेस्टर की परीक्षा नौ मई से छह जून तक होंगी। इसके दूसरे सेमेस्टर ओल्ड कोर्स की परीक्षा छह व 16 मई, चौथे सेमेस्टर की पांच व आठ मई, छठे सेमेस्टर ओल्ड कोर्स की परीक्षा नौ व 18 मई को होगी।

योग की परीक्षाएं छह से होंगी : बी.ए, बी.एससी योग दूसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं छह से 24 मई, चौथे सेमेस्टर की आठ से 27 मई और छठे सेमेस्टर की छह से 17 मई तक होंगी। एम.ए, एम.एससी योग दूसरे सेमेस्टर की परीक्षा छह मई से एक जून और चौथे सेमेस्टर की यह परीक्षा आठ से 25 मई तक होंगी। पीजी डिप्लोमा इन योग दूसरे सेमेस्टर की परीक्षा पांच से 27 मई तक संचालित होंगी।

तीन वर्षीय स्नातक में 7.5 सीजीपीए वालों का ही चौथे वर्ष में प्रवेश होगा

लवि : पीजी कालेजों में ही होंगे यूजी चौथे वर्ष में दाखिले, आदेश जारी

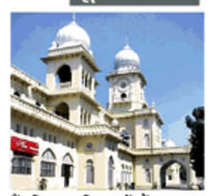

जासं • लखनऊ : राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध ऐसे कालेज जहां परास्नातक पाठ्यक्रम या विषय संचालित हैं, उन्हीं में स्नातक चौथे वर्ष (सातवें सेमेस्टर) में दाखिले लिए जा सकेंगे। सातवें सेमेस्टर में भी वही छात्र-छात्राएं दाखिले के लिए पात्र होंगे, जिनके स्नातक तृतीय वर्ष (छठे सेमेस्टर तक) कम्युलेटिव ग्रेड प्वाइंट एवरेज (सीजीपीए) 7.5 या इससे अधिक होगा। कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने इस संबंध में सोमवार को आदेश जारी कर दिए।

लवि राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने वाला पहला विश्वविद्यालय है। अब जुलाई से स्नातक चौथे सेमेस्टर में दाखिले की प्रक्रिया शुरू होगी। इसको लेकर तैयारी शुरू हो चुकी है। विश्वविद्यालय ने गाइडलाइन जारी कर कहा है कि ऐसे सहयुक्त महाविद्यालय जिनमें परास्नातक पाठ्यक्रम या विषय संचालित हैं। उन्हीं में एनईपी की अर्हतानुसार स्नातक स्तर पर चौथे वर्ष (सातवें सेमेस्टर) में कालेज प्रवेश ले सकते हैं। जिन महाविद्यालयों में परास्नाक विषय संचालित नहीं हैं, वहां सातवें सेमेस्टर में प्रवेश नहीं होंगे। तीन वर्षीय स्नातक करने वाले ऐसे छात्र-छात्राएं जिनके सीजीपीए 7.5 से कम होंगे। उन्हें पूर्व की भांति दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश का मौका रहेगा। कालेजों को कुलसचिव की ओर से पत्र भेज दिया गया है।

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम तैयार : लवि ने बीते दिनों संशोधित स्नातक अध्यादेश के तहत सभी विभागों से पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए कहा था। सभी विभागों ने बोर्ड आफ स्टडीज व फैकल्टी बोर्ड से क्रेडिट में बदलाव करते हुए चार वर्षीय पाठ्यक्रम तैयार किया है। जल्द ही इसका विद्या परिषद और कार्य परिषद से अनुमोदन लिया जाएगा।

एपी सेन में पीजी के प्रवेश

यहां सत्र 2024-25 के लिए बी.ए, बी.काम के साथ-साथ एवं एम.ए. हिंदी और समाजशास्त्र में प्रवेश प्रारंभ हो गए हैं। प्राचार्य प्रोफेसर रचना श्रीवास्तव ने बताया कि बी.ए में 475, बी.काम 80, एम.ए हिंदी 60 और एम.ए समाजशास्त्र में 60 सीटें हैं। प्रवेश फार्म की कीमत 500 है। किसी भी कार्य दिवस में छात्राएं सुबह नौ से दोपहर तीन बजे के बीच कालेज कार्यालय से फार्म ले सकती है। महाविद्यालय की वेबसाइट www.apsencollege.org पर आनलाइन आवेदन की सुविधा है।

AMRIT VICHAR PAGE 4

कचरे से रच रहे कला का सुंदर संसार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

छात्रों द्वारा तैयार की गईं हस्तनिर्मित कृतियां। फोटो : अमृत विचार

• 50 से अधिक महाविद्यालयों के छात्रों ने किया प्रतिभाग

अमृत विचार : जिन घर के सामानों को बेकार समझकर आप कचरे में फेंक देते हैं, उन्हें अगर किसी ड्रांइग रूम में सजा हुआ देखें तो आश्चर्य नहीं होगा। दरअसल, इन कचरे के सामानों को शोपीस, गमले और सुंदर जूट बैग बनाकर लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र यह साबित कर रहे हैं कि वह अपने हुनर से बेकार चीजों को भी अनमोल बनाने की कला रखते हैं।

हैप्पी थिंकिंग लैब के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में विवि से संबद्ध 50 से अधिक महाविद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभाग किया। छात्रों ने जूट बैग, गमले, शोपीस सहित अन्य सामान तैयार किए।

परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की निदेशक डॉ. वैशाली सक्सेना और हैप्पी थिंकिंग प्रयोगशाला की निदेशक प्रो. एम प्रियदर्शिनी के नेतृत्व में छात्रों के अलावा शिक्षक और गैर सरकारी संगठन के प्रतिनिधियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

प्रतियोगिता में बेकार पड़ी सामग्रियों से तैयार की गई हस्तनिर्मित कृतियों के सहारे प्रदर्शनी भी लगाई गई। विभिन्न विभागों और कॉलेजों से 50 से अधिक प्रतिभागी छात्रों ने पर्यावरण चुनौतियों से निपटने के लिए समाधान भी प्रस्तुत किए। इस अवसर पर डॉ. अर्चना तिवारी, डॉ. अंश, डॉ. विपिन पांडे, डॉ. तनुका चटर्जी और डॉ. उत्कर्ष मिश्रा सहित अन्य उपस्थित रहे।

लविवि ने पाठ्यक्रमों को लेकर जारी किए निर्देश

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रमों में जिन छात्र-छात्राओं का तृतीय वर्ष (छठे सेमेस्टर तक) का सीजीपीए 7.5 या इससे अधिक है, वहीं चतुर्थ वर्ष के 7वें सेमेस्टर में प्रवेश ले सकते है।

कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि सहयुक्त महाविद्यालय जिनमें परास्नातक पाठ्यक्रम अथवा विषय संचालित हैं, उन्हीं संदर्भित पाठ्यक्रमों अथवा विषयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (नैप) की अर्हतानुसार स्नातक स्तर पर 7वें सेमेस्टर में महाविद्यालय द्वारा प्रवेश लिया जा सकता है। जिन महाविद्यालयों में परास्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम संचालित नहीं है, उनके द्वारा 7वें सेमेस्टर में प्रवेश नहीं लिया जा सकता है। अन्य समस्त छात्र-छात्राएं पूर्व की तरह द्विवर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं।

लविवि में बहुविषयक पर विस्तार व्याख्यान

अमृत विचार, लखनऊ : भौतिकी विभाग ने बहु-विषयक व्याख्यान का आयोजन किया। कार्यक्रम में आईआईएससी बेंगलुरु से आए वक्ता ने भौतिक शास्त्र विषय के बीएससी एवं एमएससी के छात्रों के साथ विस्तार से वार्ता की। लखनऊ विवि में पीएचडी के छात्रों के बीच समन्वय स्थापित करते हुए वक्ता अमित जोशी ने विदेशी घटनाओं से जुड़े विषयों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विभिन्न करियर से जुड़े छात्रों के प्रश्नों का उत्तर भी दिया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. राजेश शुक्ला एवं प्रो. आंचल श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

लवि के प्रोफेसर नवजीवन रस्तोगी को मिला पद्मश्री

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के पूर्व प्रमुख प्रोफेसर नवजीवन रस्तोगी को साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया है। प्रो. रस्तोगी ने लवि से 1957 में बैचलर आफ आर्ट्स, 1959 में मास्टर आफ आर्ट्स और 1967 में डाक्टरेट की उपाधि प्राप्त की थी। संस्कृत विभाग के डा. अशोक कुमार शतपथी बताते हैं कि प्रोफेसर रस्तोगी विभागाध्यक्ष, अभिनव गुप्त शेध संस्थान के निदेशक भी रहे। संस्कृत के विद्वान कहे जाने वाले प्रो. रस्तोगी के बड़ी संख्या में शोध पत्र प्रकाशित हैं। उन्हें लवि सहित कई जगह विभिन्न पुरस्कार और सम्मान भी मिल चुके हैं। उन्हें डीएससी की मानद उपाधि से भी सम्मानित किया जा चुका है।

NBT PAGE 4

स्टूडेंट्स ने कचरे को खजाने में बदला

एलयू के परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ ने हैप्पी थिंकिंग लैब के सहयोग से विश्व पृथ्वी दिवस पर सोमवार को 'कचरे को खजाने में बदलना' प्रतियोगिता करवाई। इसमें बेकार पड़ी सामग्रियों से तैयार की गई हस्तनिर्मित कृतियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों और कॉलेजों से 50 से अधिक स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। स्टूडेंट्स ने कचरे से कई उपयोगी सामान बनाकर उन्हें खजाने में बदल दिया। कार्यक्रम में प्रो. मैत्रेयी प्रियदर्शिनी, डॉ.वैशाली सक्सेना समेत अन्य लोग मौजूद थे।

10 मई तक देने होंगे प्रस्ताव

लखनऊ : लवि ने सभी सकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, निदेशक एवं समन्वयक से जेआरएएफ से एसआरएफ उच्चीकृत का प्रस्ताव 10 मई तक विकास अनुभाग को उपलब्ध कराने के लिए कहा है। कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने साफ कहा है कि यदि कोई प्रस्ताव लंबित रहता है तो उसका उत्तरदायित्व स्वयं शोधार्थी एवं शोध पर्यवेक्षक का होगा। (जास)

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

लविवि ने बहु-विषयक व्याख्यान की मेजबानी

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। भौतिकी विभाग ने एक बहु-विषयक व्याख्यान की मेजबानी की, जिसके बाद विद्वान वक्ता अमित जोशी, आईआईएससी बेंगलुरु ने भौतिक शास्त्र विषय के बीएससी एवं एमएससी के छात्रों के साथ साथ पीएचडी के छात्रों के बीच एक-से-एक बातचीत हुई। इस दौरान छात्र बहुत उत्साहित थे और उन्होंने विज्ञान में विदेशी घटनाओं से लेकर विभिन्न करियर के मार्गों तक अपने उत्तर के साथ-साथ अपने प्रश्न भी रखे। विभागाध्यक्ष प्रो.एन के पांडेय ने बताया कि हम अपने कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय के निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन के लिए उनके बेहद आभारी हैं। कार्यक्रम का संचालन प्रो.राजेश शुक्ला एवं प्रो.आंचल श्रीवास्तव ने किया।

देश दुनिया के वैज्ञानिक बदलाओं पर की चर्चा

लखनऊ। लखनऊ विश्विद्यालय के भौतिकी विभाग की ओर से बहु-विषयक व्याख्यान की मेजबानी की गई। विद्वान वक्ता आईआईएससी बेंगलुरु अमित जोशी ने भौतिक शास्त्र विषय के बीएससी व एमएससी और पीएचडी के छात्रों से वार्तालाप किया। छात्र बहुत उत्साहित थे और उन्होंने विज्ञान में विदेशी घटनाओं से लेकर विभिन्न करियर के मार्गों तक अपने उत्तर के साथ-साथ अपने प्रश्न भी रखे। विभागाध्यक्ष प्रो एनके पांडेय ने बताया कि हम कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन के लिए आभारी हैं। संचालन प्रो.राजेश शुक्ला व प्रो.आंचल श्रीवास्तव ने किया।

लोकसत्य

LOKSATYA PAGE 2

पर्यावरण स्थिरता के लिए समर्पण जरूरी पर दी जानकारी

लखनऊ,लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय के परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ ने हैप्पी थिंकिंग लैब के सहयोग से विश्व पृथ्वी दिवस पर 'कचरे को खजाने में बदलना' प्रतियोगिता का आयोजन किया। छात्रों में नवाचार की भावना और स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाया गया। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के संरक्षण में कार्यक्रम आयोजित किया गया। परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की निदेशक डॉ. वैशाली सक्सेना और हैप्पी थिंकिंग प्रयोगशाला की निदेशक प्रो. एम. प्रियदर्शिनी के नेतृत्व में हुआ। छात्रों, शिक्षकों और गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने रचनात्मकता और पर्यावरण चेतना के एक दिन के लिए एक साथ आए।

प्रतियोगिता में बेकार पड़ी सामग्रियों से तैयार की गई हस्तनिर्मित कृतियों की प्रदर्शनी लगी। विभिन्न विभागों और कॉलेजों से 50 से अधिक प्रतिभागी छात्रों ने पर्यावरण चुनौतियों के लिए अपने कल्पनाशील समाधान प्रस्तुत किए। पर्यावरण स्थिरता के प्रति अपने समर्पण को उजागर किया। डॉ. अर्चना तिवारी, डॉ. अंश, डॉ. विपिन पांडे, डॉ. तनुका चटर्जी और डॉ. उत्कर्ष मिश्रा सहित प्रतिष्ठित शिक्षकों ने कार्यक्रम में अपनी विशेषज्ञता प्रदान की, जिससे स्थिरता और नवाचार पर चर्चा और समृद्ध हुई। शुरुआत प्रो. मैत्रेयी प्रियदर्शिनी और डॉ. वैशाली सक्सेना द्वारा मुख्य अतिथि बृजेंद्र पाल सिंह और गोपाल उपाध्याय का गर्मजोशी से स्वागत करने के साथ हुई। लोक भारती के गोपाल उपाध्याय ने प्रकृति, पारंपरिक ज्ञान और जैव विविधता के महत्व पर व्यावहारिक संवाद के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की।मुख्य अतिथि लोक भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री बृजेंद्र पाल सिंह ने पर्यावरण स्थिरता के महत्व पर जोर दिया और उपस्थित लोगों से वसुधैव कुटुंबकम के लोकाचार को अपनाने और प्रकृति के साथ सहजीवी संबंध विकसित करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम

• पर्यावरण संरक्षण पर दिया संदेश